25.11.24

DATE
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए') -2
अगला भाग - पृष्ठ-106
पुस्तक- नवतरंग-8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा आठवीं की पुस्तक के पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए' के शेष भाग का अध्ययन करेंगे।

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ 107 खोलें। पिछले सप्ताह हमने पढ़ा था कि आधुनिक मिस्र की राजधानी काहिरा एक सुंदर शहर है। यह शहर नील नदी के आँचल में प्राचीन पिरामिडों की छत्रछाया में बसा शहर है। यहाँ की जलवायु सुखद है। लेखक को जब विदेश यात्रा के दौरान काहिरा से गुज़रना पड़ा तो उन्होंने स्वयं को भाग्यशाली माना। 16 जनवरी, 1935 को लेखक व उनके अन्य साथी स्वेज नहर को पार करके कार में बैठकर काहिरा पहुँचे। सड़क के दोनों ओर अंतहीन रेत थी। सीधे खड़े भवन जादू के समान प्रतीत हो रहे थे। अगली सुबह विश्व प्रसिद्ध पिरामिडों को देखकर लेखक को प्रेरणा का आभास होता है। इन्हीं पिरामिडों ने नेपोलियन जैसे योद्धा की कल्पना को ललकारा था। इन इमारतों के शिल्पकारों ने समय को हराकर स्वयं को पत्थरों में सदा के लिए ज़िंदा कर दिया। पिरामिड के समीप ही स्फिंक्स थे। गाइड ने लेखक को बताया कि मिस्रवासी सूर्य के पुजारी थे। गाइड द्वारा यह भी बताया गया कि नेपोलियन का संबंध पिरामिडों से था। समय कम होने के कारण लेखक ने पिरामिड के ऊपर जाने के लिए गाइड से मना कर दिया।

उसने बताया, "यहाँ [illegible] ऐसा है जो केवल आठ मिनट में ऊपर जाकर नीचे आ सकता है।" अतः हमने इनकार कर दिया क्योंकि हमें यह लगा — यह हमें ठगना चाह रहा है।

11.12.23

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 25.11.24
PAGE No 2

कक्षा- आठवीं सुमन शर्मा
विषय- हिन्दी साहित्य (पाठ-13 काहिरा से गुज़रता हुआ')

इस सबकी अपेक्षा हमने बड़े पिरामिड को घूम-घामकर देखना उचित समझा। वह अधिक कठिन कार्य नहीं था। पिरामिड के नीचे एक बड़े कमरे की ओर जाने वाले तंग रास्ता बिजली द्वारा प्रकाशित था। केवल हॉल तक पहुँचते हमारी पीठ गई क्योंकि जब हम सीढ़ियाँ चढ़ रहे थे तो हमें लगातार झुक-कर चलना था। पिरामिड 450 फ़ीट की ऊँचाई पर था और हाल तक पहुँचने के लिए हमें इसकी आधी चढ़ाई करनी पड़ी। पुराने राजाओं की ममी को यहाँ सँभालकर रखा जाता था। अब यह हॉल खाली था क्योंकि ममियों को संग्रहालयों में पहुँचाया जा चुका था। एक और छोटा कमरा भी था जहाँ रानियों की ममी रखी जाती थी।

गिजा के पिरामिड, जहाँ स्फिंक्स भी हैं, काहिरा से लगभग नौ मील की दूरी पर हैं। कुल मिलाकर 9 पिरामिड हैं - तीन बड़े और छह छोटे। बड़े पिरामिड तो सही सलामत स्थिति में है, केवल कुछ जगहों पर 'कोटिंग' उखड़ गई है। काहिरा से बहुत दूरी पर पिरामिडों का एक और समूह भी है जो बीस मील दूर प्राचीन शहर 'मेम्फिस' के निकट है। वहाँ मिस्र के प्राचीन राजाओं की मूर्तियाँ भी विद्यमान हैं।

काहिरा का प्राचीन वस्तुओं का संग्रहालय भी पिरामिडों से कम दिलचस्प नहीं है। इस संग्रहालय में मिस्र भर में मिली वस्तुएँ एकत्रित की गई हैं।

पाठ में आए कुछ कठिन शब्दों के अर्थ इस प्रकार हैं:-

शब्दार्थ:-

आभास - प्रतीति
शिल्पकारों - कारीगरों
अद्भुत - अनोखा
आश्वस्त - जिसे दिलासा या तसल्ली दी गई हो।
विद्यमान - मौजूद
दैत्याकार - बहुत बड़े राक्षस जैसे आकार के
शाश्वत - सदा रहने वाला
सूचक - परिचायक, बताने वाला
ममी - मसाला इत्यादि लगाकर रखा शव

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

25.11.24

DATE
PAGE No 3

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए')

बच्चो! गाइड ने लेखक को जब यह बताया कि एक आदमी केवल आठ मिनट में ऊपर से नीचे आने का समय लेता है। नेता जी को लगा कि वह उन्हें ठगना चाहता है। इसलिए उन्होंने इनकार कर दिया। उन्हें पिरामिड को इधर-उधर से घूमकर देखना उचित लगा। पिरामिड के नीचे एक बड़े कमरे की ओर जाने वाला तंग रास्ता जहाँ बिजली चमक रही थी। लगातार सीढ़ियों में झुककर चलने से लेखक व उनके अन्य साथियों की पीठ दुख गई। पिरामिड 450 फीट की ऊँचाई पर था। हॉल तक पहुँचने के लिए हमें आधी चढ़ाई करनी पड़ी। पहले यहाँ पुराने राजाओं एवं रानियों की ममी को रखा जाता था लेकिन अब हॉल खाली था क्योंकि ममियों को यहाँ से संग्रहालयों में भेज दिया गया था।

बच्चो! इस पाठ को हम यहीं समाप्त करते हैं। इस पाठ का शेष भाग अगले सप्ताह पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

शेष भाग अगले सप्ताह---

गृहकार्य :-

सभी बच्चे पढ़ाए गए पाठ को उच्च स्वर में पढ़ेंगे। शब्दार्थ को याद करेंगे। कराए गए कार्य को अवश्य याद करेंगे व लिखेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner